Issue 8 | Volume 1 | 2020

amaltas
COLLEGE OF EDUCATION

Newsletter

February 2020

"TEACH TO LEARN AND LEARN TO TEACH"

www.amaltascollege.com

SPECIAL HOUR CELEBRATION

The Birth anniversary of "The Nightangle of India" Sarojini Naidu was celebrated as a special hour event on 13th February 2020. This day is also observed as National Women's Day in India. Sarojini Naidu was the first female governor of Independent India and was also awarded the 'Kaiser-E-Hind' by the British Goventment in 1928. On this occasion Santoshi Kumari, Poonam and Diba Alshaba from D.El.Ed. 1st year, Pooja, Shehzadi, Rizwana and Amar from D.El.Ed. 2nd year and Radhe Krishna, Anjali and Rinki from B.Ed. first year spoke of her contribution in the Indian freedom struggle and her achievements as a woman in politics and society. They also expressed their appreciation for the great poetess, leader and freedom fighter of our country.

Anjali Kumari from B.Ed. FY(2019-21) speaking on Sarojini Naidu

SCHOOL INTERNSHIP

The 2nd year B.Ed. students from the 2018-20 academic session returned from their designated schools after completing their practice teaching classes . Their regular classroom lectures started on 17th February 2020 in the college. The students completed their school internship with a minimum of 60 classes in their preferred school subject as per NCTE regulations. They will now submit their lesson plans certified by the Principals of their respective schools and a report on their internship program. These reports will be evaluated by external examiners to be appointed by the University during their final examinations.

Farewell given by Tilothu High School students to our Interns

DIABETES AWARENESS SESSION

Dr. Mukesh Sinha, Lead GP Diabetes from Birmingham UK, visited our college on 25th February to conduct an awareness session on diabetes. He explained the symptoms, hazards and complexities of Type 1 & Type 2 diabetes. This awareness session made the participants (students, faculty and staff) aware of their risk of developing diabetes later in life. He also donated a glucose monitoring machine to the College and trained several students on how to operate it. Students learned to check each other's glucose level with the device. He also shared his email address with the students and offered assistance if anyone requires it for self or our family members. We thank Dr. Sinha for sparing his generosity and valuable time with us.

Dr. Mukesh Sinha conducting an awareness session on Diabetes

MENTOR'S EXPERIENCE

शिक्षण-प्रशिक्षण के दौरान अमलतास कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन के छात्राध्यापकों द्वारा प्रशिक्षण कार्य तिलौथू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सुचारु रूप से संपन्न हुआ। कक्षा में छात्राध्यापकों ने अपने सभी शिक्षण कौशलों का प्रयोग करते हुए शिक्षण कार्य किया । शिक्षण के दौरान छात्राध्यापकों द्वारा कक्षा में छात्रों के सामने मॉडल तथा चार्ट पेपर पर शिक्षण बिंदुओं को दर्शाया गया तथा इसके माध्यम से शिक्षण कार्य संपन्न किया गया। शिक्षण-प्रशिक्षण के दौरान छात्रों से कुछ एक्टिविटी करवाई गई जिसमें प्रशिक्षु शिक्षक का कौशल दिखाई दिया । शिक्षण के दौरान बच्चों से कविसम्मेलन कराकर उनमें भाषा-कौशल का विकास किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता करवाकर उन्हें विश्लेषण विधि से परिचित कराया गया। प्रशिक्षण के प्रारंभिक काल में विद्यालय के छात्र उद्दण्डता दिखाते थे किन्तु प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा विषय और शिक्षण-कौशल के माध्यम से उनमें रुचि उत्पन्न करके अनुशासन पैदा किया गया। प्रशिक्षु-शिक्षक द्वारा 'मेगा परीक्षा' के माध्यम से शिक्षण कार्य का मूल्यांकन किया गया । जिसमें सबसे अधिक अंक पाने वाले दस छात्रों को प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा सम्मानित किया गया ।

- श्रीप्रकाश (संकाय - सदस्य)

'टूटना और संवरना'

ईश्वर टूटी हुई चीज़ को बहुत सुंदरता से काम लेता है।
बादल टूटते हैं तो बारिश होती है, मिट्टी टूटती है तो खेत बनता है।
फसल टूटती है तो अनाज - बीज बनता है,
बीज टूटता है तो नया पौधा बनता है।
इसलिए जब भी हम अपने आप को टूटता हुआ पाएं,
तो हमें यह पक्का विश्वास कर लेना चाहिए कि ईश्वर हमारा उपयोग
कहीं और बेहतर रूप में लेना चाहता है।

- श्रीप्रकाश (संकाय - सदस्य)

' एक प्रशिक्षित शिक्षक होने का अर्थ '

मैं नवम् कक्षा का विद्यार्थी था। हमारी कक्षा को पढ़ाने वाले करीब दस शिक्षकों में से मैं दो की चर्चा करना चाहूँगा। एक शिक्षक थे जिनके लिए हम सभी सहपाठी ईश्वर से प्रार्थना करते थे कि वे जल्दी से जल्दी सेवानिवृत्त हो जाएँ और दूसरे थे जिनके बारे में हमारी यही प्रार्थना थी कि वे कभी भी सेवानिवृत्त न हों। बहुत सी ऐसी बातें थीं जिनकी वजह से हम लोगों की ऐसी धारणाएँ बनी थीं, किन्तु एक मूलभूत अंतर था उनका विद्यार्थियों के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण और दूसरा अंतर था उनका प्रशिक्षित और अप्रशिक्षित होना। हमारे अप्रशिक्षित अध्यापक दो साल पहले ही नियुक्त हुए थे, वे अति मिलनसार थे, विषय ज्ञान भी था किन्तु उनके पास शायद वह शैली नहीं थी जिससे वे कक्षा के विद्यार्थियों को अनुशासित रखकर अध्यापन करा पाते। ऐसा भी नहीं था कि वे पढ़ाना नहीं चाहते थे , सबसे बड़ी समस्या थी कब, क्या और कैसे पढ़ाएँ? परिणाम यह हुआ कि हममे से अधिकांशतः यही प्रार्थना करते थे कि "हे प्रभु! इनको जल्दी रिटायर कर दो।" दूसरे अध्यापक ऐसे थे कि विद्यालय का हर विद्यार्थी चाहता था कि वे उनकी कक्षा को पढ़ाएँ। इतना ही नहीं , यह भी होड़ लगी रहती थी कि वे हमारे कक्षाध्यापक भी बनें, किन्तु यह संभव नहीं हो सकता था कि एक ही समय एक से अधिक कक्षाओं के वे कक्षाध्यापक बनें। अतः हममें से भिन्न -भिन्न कक्षाओं के दोस्तों को कभी-कभी हताश होना पड़ा। वे अनुशासन प्रिय थे, पढ़ाने की ऐसी शैली थी कि हमें कभी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। वे प्रशिक्षित थे और यदि मैं उनके ही शब्दों में कहूँ तो उनको यह वरदान "शिक्षक प्रशिक्षण" के दौरान शत-प्रतिशत उपस्थित रहने से मिला था।

आज के सन्दर्भ में मैं जब "शिक्षक प्रशिक्षण" महाविद्यालयों कि स्थिति देखता हूँ तो आश्चर्य होता है। एक प्रशिक्षणार्थी महाविद्यालय में अनुपस्थित रहकर वह कौशल कैसे प्राप्त कर सकता है जो नियमित रूप से उपस्थित रहने वाले प्रशिक्षणार्थी प्राप्त करता है। मेरे यह कहने का अर्थ कदापि नहीं है कि सभी अप्रशिक्षित अध्यापक अयोग्य हैं और सभी प्रशिक्षित अध्यापक योग्य ही होंगे। लेकिन यह निश्चित तौर से कहा जा सकता है कि प्रशिक्षित शिक्षक निश्चित रूप से कुछ विशेष दे पाएँगे जिससे देश, समाज और भविष्य का कल्याण होगा और आने वाली पीढ़ी सुदृढ़ होगी।

- प्रभाकर प्रसाद शुक्ल (संकाय - सदस्य)

NOVEL CORONAVIRUS(COVID-19) : Do's & Don'ts